अव्यक्त पालना का रिटर्न

महावीर का अर्थ और महावीर की विशेषता

1 वर्तमान समय विशेष आत्माओं की विशेषता यह होनी चाहिए जो 'एक ही समय सबकी एक–रस, एक–टिक स्थिति हो।'

2 अर्थात् जितना समय, जिस स्थिति में ठहरना चाहे, उतना समय, उस स्थिति में संगठित रूप में स्थित हों – 'संगठित रूप में सबके संकल्प रूपी अंगुली एक हो।'

09.12.75

प्रश्न हमारे, उत्तर बापदादा के

प्रश्न :

संगठन एकमत और पॉवरफुल हो जाये इसके लिए कौन सी शक्ति चाहिए? फेथ से क्या सिद्ध होगा?

उत्तर :

संगठन एकमत और पावरफुल हो जाए इसके लिए फेथ और समाने की शक्ति चाहिए।

फेथ से यह सिद्ध होगा :-

किसी ने जो कुछ किया, मानो राँग भी किया, लेकिन संगठन प्रमाण वा अपने संस्कारों प्रमाण व समय प्रमाण उसने जो किया उसका भी ज़रूर कोई भाव-अर्थ होगा।

संगठित रूप में जहाँ सर्विस है, वहाँ उसके संस्कारों को भी रहमदिल की दृष्टि से देखते हुए, संस्कारों को सामने न रख इसमें भी कोई कल्याण होगा इसको साथ मिलाकर चलने में ही कल्याण है ऐसा फेथ जब संगठन में एक दूसरे के प्रति हो, तब ही सफलता हो सकती है।

09.12.75

मन की बात... बापदादा के साथ

मैं आत्मा :-

प्यारे बाबा, सामना करने की शक्ति और समाने की शक्ति के बारे में कुछ बतायें ?

बापदादा :-

मीठे बच्चे,

❶ सामना करने की शक्ति ब्राह्मण परिवार के आगे यूज़ नहीं करनी है। वो सामना करने की शक्ति माया के आगे यूज़ करनी है।

❷ सामना करने की शक्ति यूज़ करने से *संगठन पॉवरफुल नहीं होता।*

❸ कोई भी बात नहीं जंचती तो भी एक-दूसरे का सत्कार करना चाहिए। उस समय किसी के संकल्प वा बोल को कट नहीं करना चाहिए। इसलिये अब समाने की शक्ति को धारण करो।

09.12.75

★ महावीर का अर्थ क्या है? और विशेषता क्या है?

1) वर्तमान समय विशेष आत्माओं की विशेषता यह होनी चाहिए जो ⇨

एक ही समय सबकी एक-रस, एक-टिक स्थिती हो

② अर्थात जितना समय, जिस स्थिति मे ठहरना चाहे, उतना समय, उस स्थिति मे **संगठित** रूप मे स्थित हो संगठित रूप मे सबके संकल्प रूपी अंगुली एक हो

9-12-75
अव्यक्त वाणी का
मुख्य बिंदु

09-12-75 की अव्यक्त वाणी से स्वमान

मैं महावीर हूँ।

महावीर अर्थात् जितना समय, जिस स्थिति में ठहरना चाहे, उतना समय, उस स्थिति में संगठित रूप में स्थित रहने वाली।

09-12-75

महावीर अर्थात् विशेष आत्माओं की विशेषताएं

संगठित रूप से सबकी स्थिति की संकल्प रूपी अंगुली एक होने से ही सिद्धि होगी।

महारथी अर्थात् महावीरों का संगठन

वर्तमान समय विशेष आत्माओं की विशेषता यह होनी चाहिए जो एक ही समय सबकी एक-रस, एक-टिक स्थिति हो।

सामना करने की शक्ति ब्राह्मण परिवार के आगे नहीं, माया के आगे यूज़ करनी है। परिवार मे सामना करने की शक्ति यूज़ करने में संगठन पावरफुल नहीं होता।